

भारतीय कला इतिहास कॉन्ग्रेस का 32वाँ सम्मेलन

चर्चा में क्यों?

[भारतीय कला इतिहास कॉन्ग्रेस](#) का 32वाँ सम्मलेन 8 से 10 फरवरी 2025 तक [इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ हेरिटेज नोएडा](#) में आयोजित किया गया।

मुख्य बंदि

- सम्मेलन के बारे में:-
 - सम्मेलन का वषिय था “कला और संस्कृति में भारतीय महाकाव्यों का प्रतपादन”।
 - इसका उद्देश्य महाकाव्यों पर आधारित कलात्मक अभवियक्तियों के वविधि रूपों को उजागर करना था।
 - महाभारत और रामायण ने कर्तव्य, धर्म और न्याय की शक्तिषाओं के साथ कई लोगों के जीवन का मार्ग प्रशस्त किया है।
 - उनके आदर्श भारत और उसके बाहर की संस्कृतियों में गूँजते हैं।
- इसका आयोजन संस्कृति मंत्रालय के तहत भारतीय वरिसत संस्थान, नोएडा द्वारा किया गया था।
- महत्त्व:
 - सम्मेलन ने मौखिक, पाठ्य और दृश्य मीडिया के माध्यम से महाकाव्यों पर आधारित कलात्मक अभवियक्तियों के वविधि रूपों पर प्रकाश डाला।
 - प्राचीन से समकालीन समय तक महाकाव्यों और उनके वभिन्न कलात्मक रूपों के प्रभाव पर चर्चा।
 - भारतीय कला में रुचि को बढ़ावा देना और इसके संरक्षण और सुरक्षा के लिये काम करना।
 - मूर्त और अमूर्त सांस्कृतिक वरिसत की रक्षा के लिये प्रयास करना।

भारतीय कला इतिहास कॉन्ग्रेस (IAHC)

- यह भारतीय कला वरिसत का अध्ययन करने वाली अखलि भारतीय संस्था है।
- इसका उद्देश्य भारतीय कला इतिहास और संस्कृति के वभिन्न पहलुओं पर गहन शोध और वमिर्श को प्रोत्साहित करना है।
- यह संगठन भारतीय सांस्कृतिक धरोहर, [मूर्त और अमूर्त कला रूपों के संरक्षण](#) के लिये काम करता है।
- यह अनुभवी और युवा वदिवानों को एक मंच प्रदान करता है, ताकि वे अपनी कला संबंधित शोधों और वचिरों का आदान-प्रदान कर सकें।
- इसका मुख्यालय [गुवाहाटी](#) में स्थित है।